

Level 3

व्हेल छथि आकाश मे

Author: Siddharth Chakravarty
Illustrator: Kaveri Gopalakrishnan
Translator: Kiran Choudhary



दादू आओर मुजनह के मेघ देखै मे खूब आनन्द अबैत छलनि। दादू बजलाह जे " कि अहाँ जनैत छी जे आहाँक नाम मेघ सँ सन्दर्भित अछि? मुजना एकटा अरबी शब्द अछि जकर अर्थ होइत अछि ओहन मेघ जे वर्षाक जल सँ डब डबायल हो अर्थात जे होइ वला वर्षा के रखने हो।"

मेघ मे तरह तरह के आकृति होइत अछि जेना कि - फुल कोबी, मोंछ, नवचन्द्र इत्यादि इत्यादि।
मुजना एकटा कुक्कुर आकृति पर नजरि गरबैत छथि।" ओकर नाक बड़ नमहर छैक!"





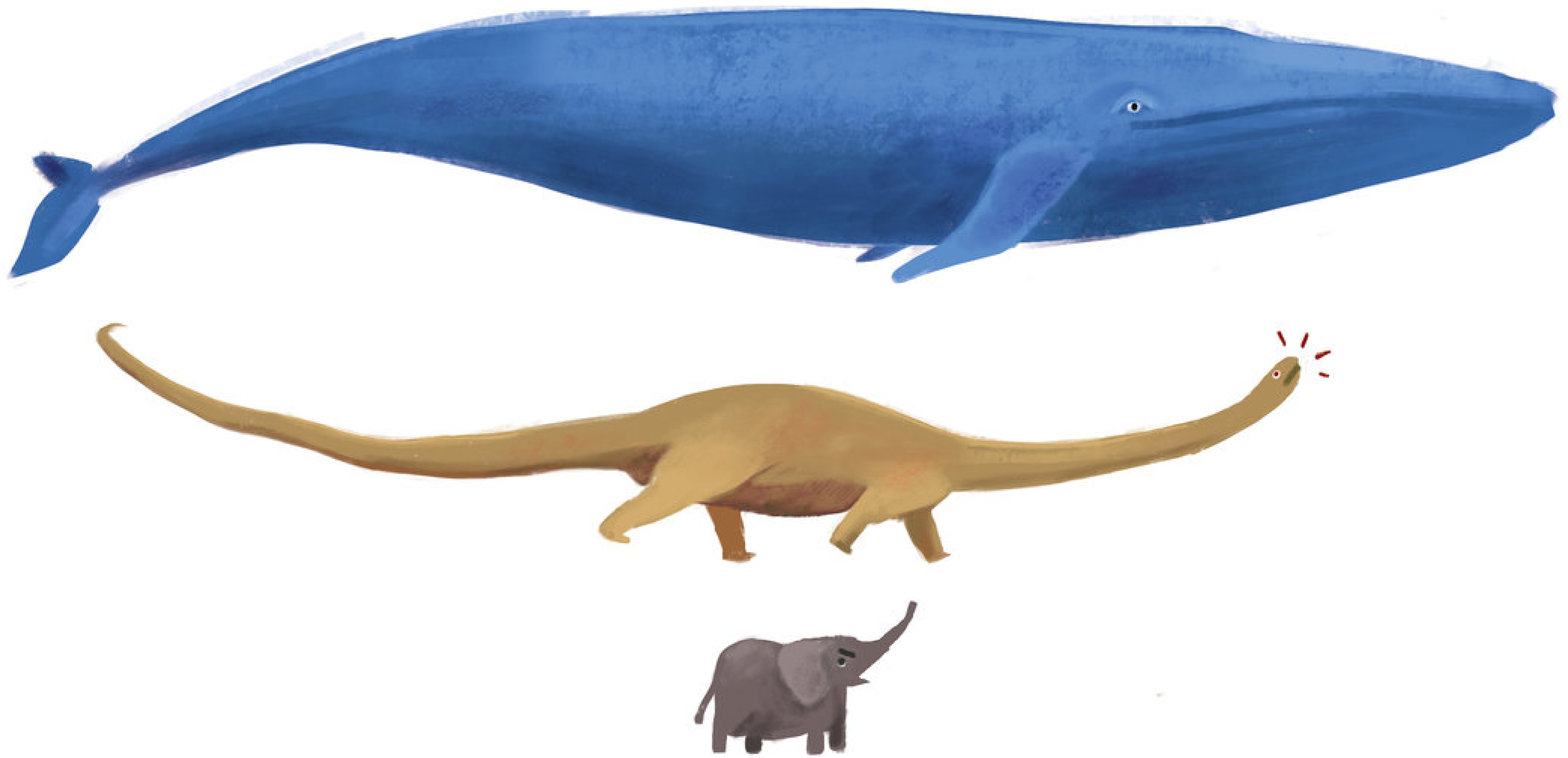




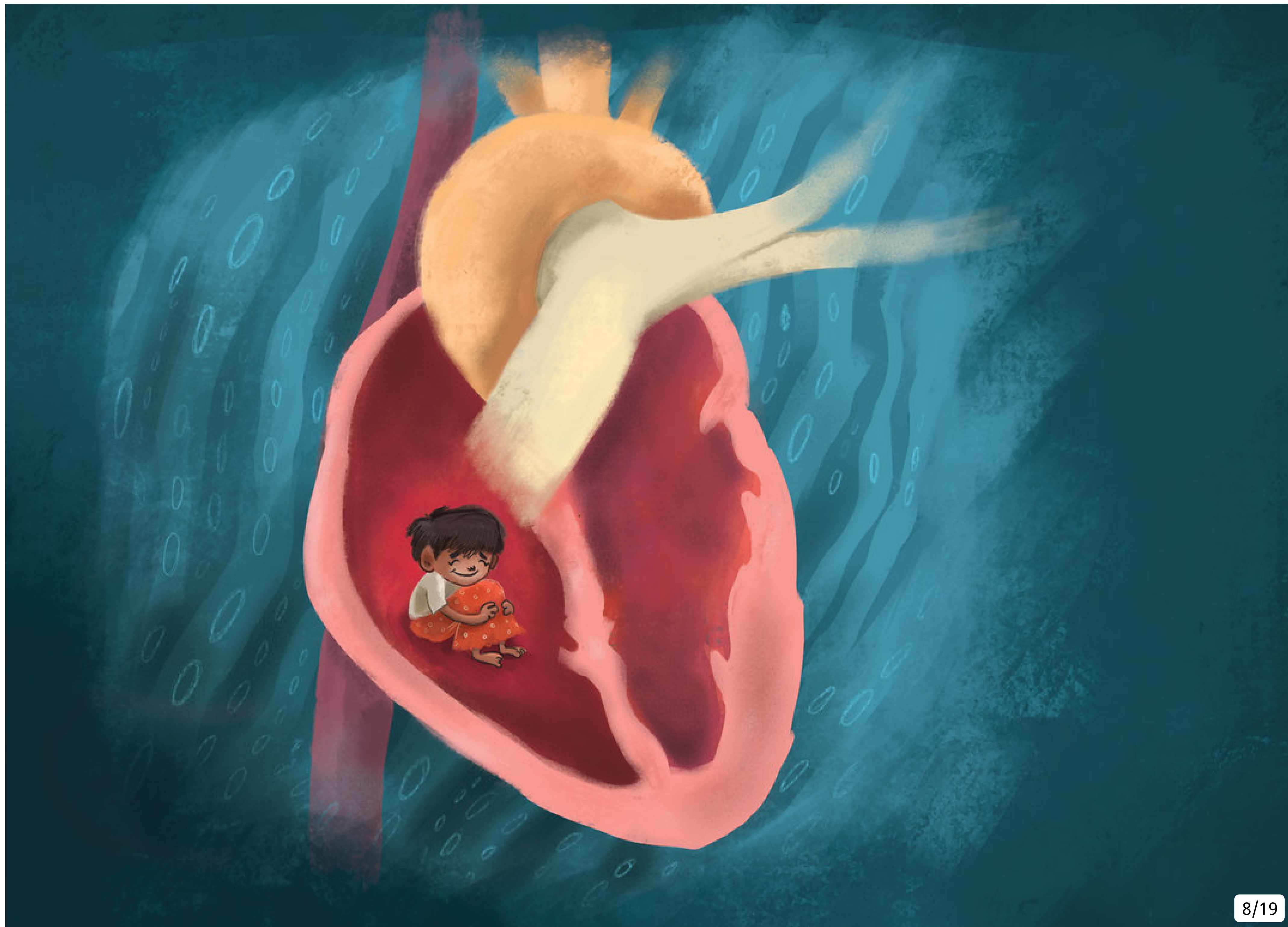
दादू बजलाह, देखू- देखू - एहि मेघ कऽ देखू? ओहो एक टा जानवर जकाँ देखा पड़ैत छैक। ओहेन जानवर जकरा हम जनैत छियैक।"
मुजना अकचकैत उत्साह मे बाजि उठली, "ठीके?"

"ओकरा व्हेल कहल जाइत अछि आओर ओ समुद्र मे रहैत अछि" । "हमरा और अधिक कहू ओकरा बारे मे" मुजना बजली। बेस तऽ सुनू, व्हेलक अनेक प्रकार होइत अछि, मुदा मेघक अकार प्रकार सँ हम सोचैत छी जे ओ जेना ब्लू व्हेल हो। ब्लू व्हेल धरती परहक एखन धरिक सबसँ विशालकाय जानवर अछि, डायनोसर आओर हाथीक तुलना मे सेहो बहुत अधिक नमहर," दादू कहलन्हि।





"अरे........ ओतेक नमहर!" मुजना बजलीह। "हँ, ओतेक नमहर जे ओकरा हृदय के अन्दर अहाँ बैस सकैत छी," दादू बखान कs बतेलखिन।

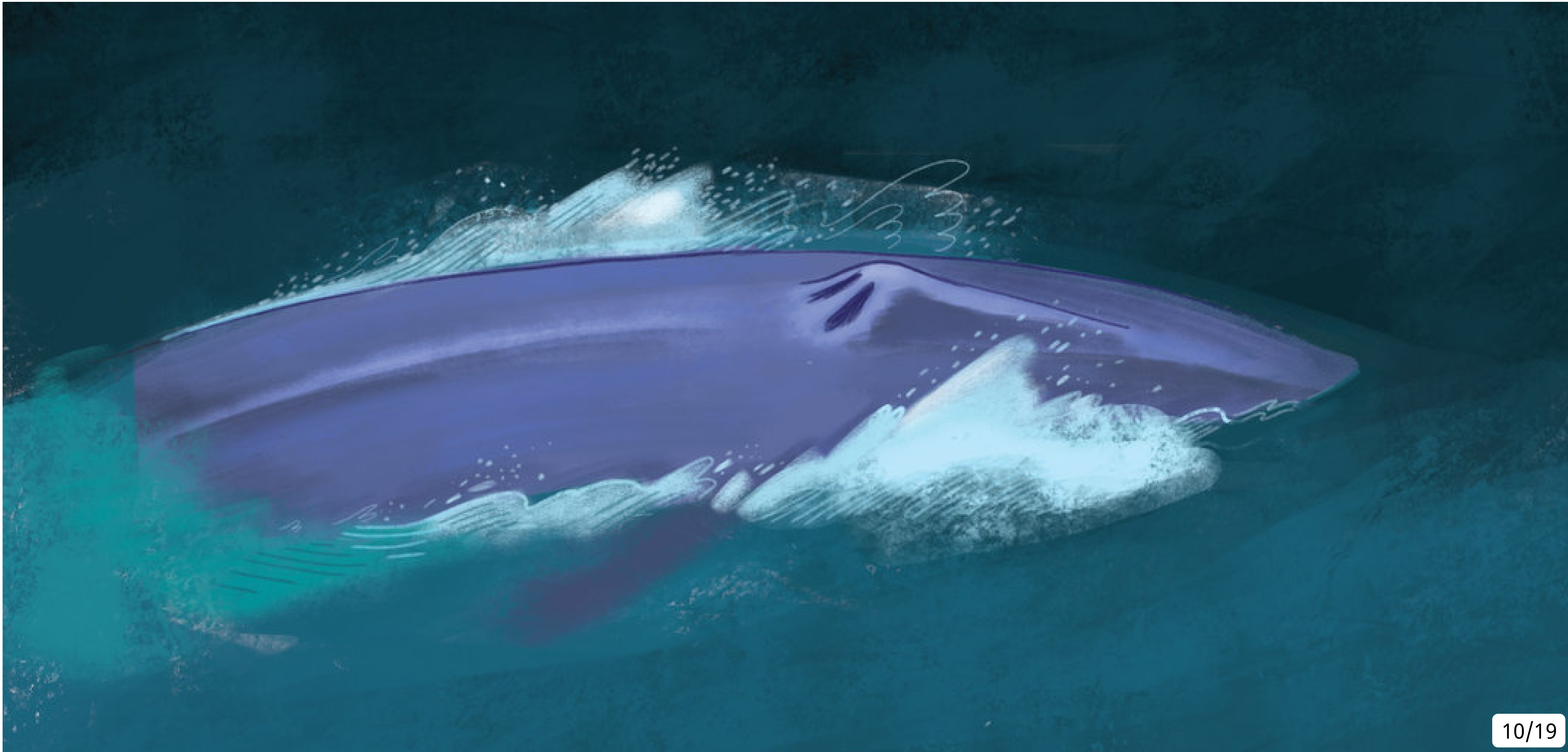




"अहाँक कुक्कुरक नाक तऽ दूर धरि बहि रहल अछि," दादू हँसैत बजलाह।"
मुजना चकित भऽ घरघरेली." अरेह! "भऽ सकैत अछि जे कुक्कुर कऽ आओर अधिक नाक नै चाही", आ ओ व्हेल मेघक तरफ जा रहल छैक।
व्हेल नाक लऽ कऽ की करत? माछ कऽ तऽ नाकक बदला मे गिल के जरुरत होइत छैक पानिक अन्दर स्वास लेल, नाक तऽ नहि ।

"हँ -हँ , माछक लेल तऽ ई बिल्कुल सत्य अछि। परञ्च ब्लू व्हेल माछ नहि थिक। ओ हवा साँस लैत अछि, तेँ ओकरा नाक होइत अछि।" दादू कहलन्हि।

"ओकरा तँ विश्वक सब सँ बड़का नाक हेबाक चाही! जखन ओ पानि के अन्दर रहै वला जीव अछि तऽ ओ हवा कोना साँस लैत अछि?"

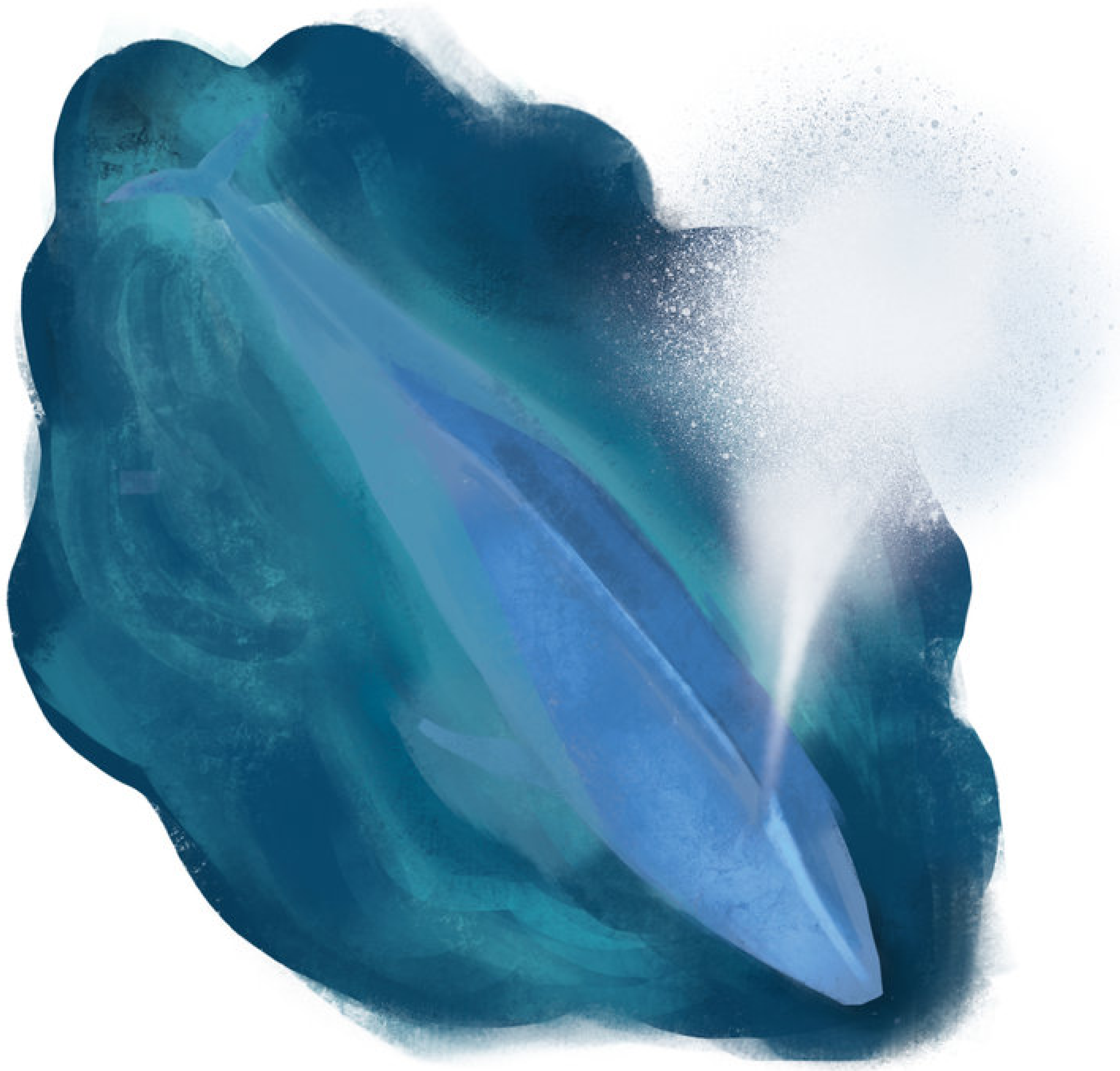


दादू बखान करैत छथिन जे व्हेल बहुत विशिष्ट होइत अछि । ओ समुद्रक सतह पर आबि साँस लैत अछि ।
"ओ... तेँ हेतु व्हेल पटी(बैक्स्ट्रोक) हेलैत छैक?" मुजना पुछैत छथिन ।



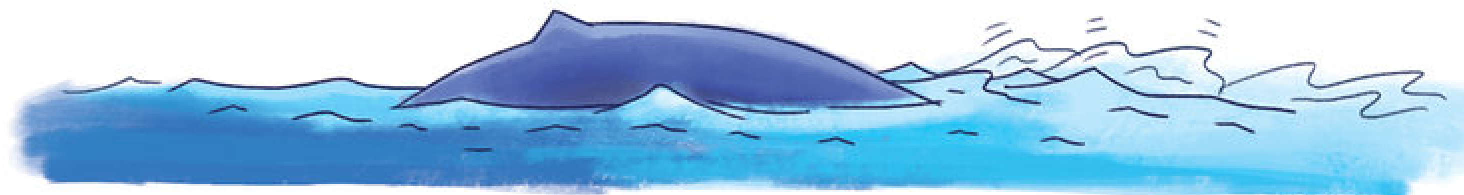


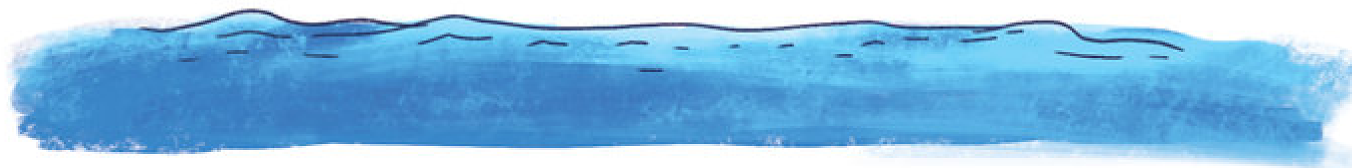
दादू हँसैत हँसैत बजलाह" अरे, अहाँकेँ तऽ तरह तरह के कल्पना अछि, मुजना!" "व्हेलक नाक ओकर पाँछाँ मे होइत छैक!"



दादू कहलन्हि जे वास्तविक मे, व्हेल जे साँस लैत अछि , दूर दूर तक ओकर आवाज सुनाइ पड़ैत छैक। व्हेलक लेलहा साँस पानिक अन्दर जाइत छैक आओर फेर पानि सँ बहार होइत छैक , फोङ फोङ के सिल -सिला चलैत रहैत छैक। हरेक स्वास व्हेलक नाकक उपर मे एक झरना बनवैत छैक।









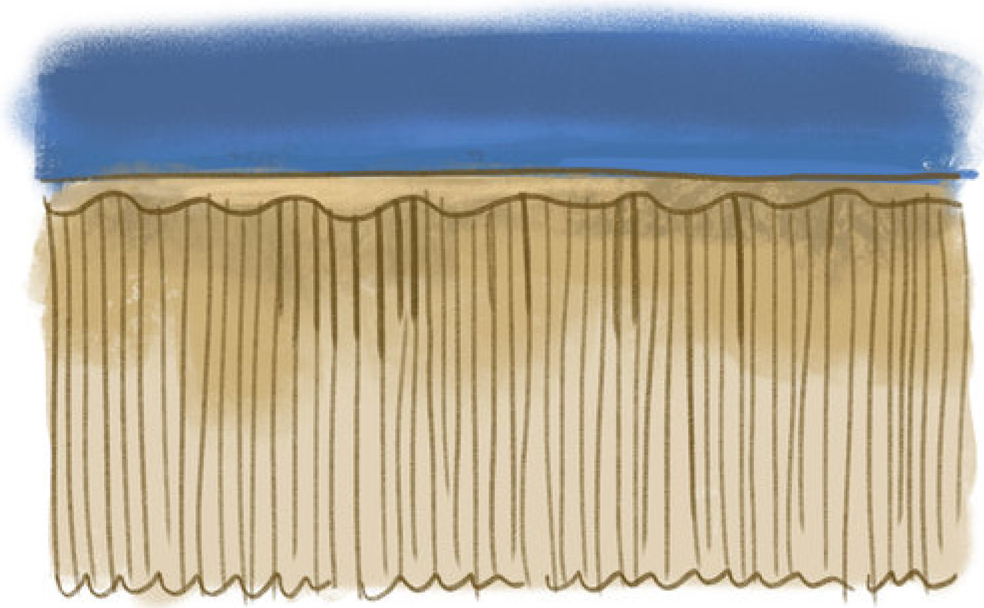
आब तऽ मुजना कैँ व्हेल आकृतिक मेघ तरफ टकटकी लागि गेलनि । "दादू- व्हेल जकरा पछिला भाग मे नाक अछि, ओ तऽ अपनासभ तरफ आबि रहल अछि!" मुजना पीठक बल सुति रहली, अपन हाथ के माछक फिन जकाँ कऽ लेलनि। आब ओ अपन बाँहि के तरङ्ग स्वरूप मे घुमावै लगली। जोर जोर सँ बाजय लगली ,"हम व्हेल छी......"



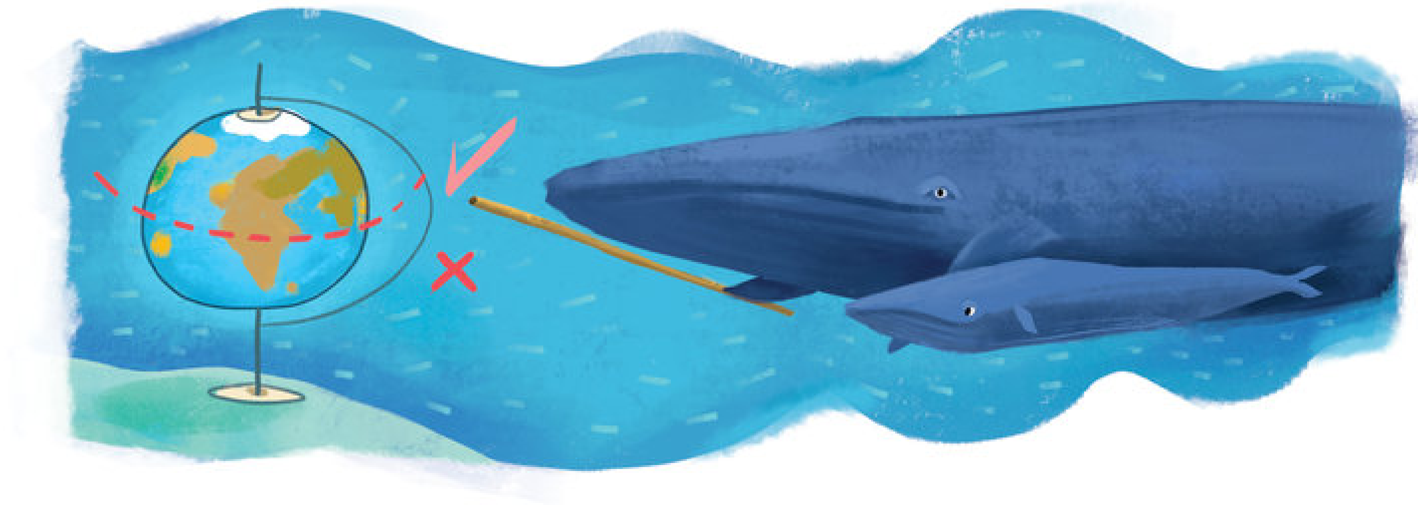
फफफ्फफिफ...... फफफ्फफिफ....... फफफिफ..................... ए व्हेल !"



व्हेल देखनाइ! एतय किछु व्हेलक विषय मे मन लग्गू तथ्य। व्हेल विभिन्न आकृति आओर आकारक होइत अछि। ओ एहि पृथ्वीपर अवस्थितसभ समुद्र मे रहैत अछि।



ब्लू व्हेल के दाँत नहि होइत छैक। दाँतक बदला ओ छोट छोट जीव के खूब अधिक पानि सङ गीर जाइत अछि। ओ जीव व्हेल के "बल्लिन प्लेट" मे छना जाइत अछि। अपनेसभ जकाँ ओ एक स्तनधारी जीव अछि अर्थात ओकरो बच्चा अपनेसभ जकाँ होइत अछि। ओकरा बच्चा के बछरा कहल जाइत छैक। बछरा अपन माय सङ वर्षो तक पानि मे हेलैत अछि आ सब तरहक जीवैक लेल आवश्यक ज्ञान सीखि जाइत अछि तथा खुशी पूर्वक समुद्र मे रहय लगैत अछि।



ध्रुवीय रेखाक पार व्हेल गृष्म ऋतु मे व्हेल माय आओर बछरा ध्रुवीय क्षेत्र दिश चल जाइत अछि। ओतय ओकरा सब के पर्याप्त भोजन भेटैत छैक। शीत ऋतु मे ध्रुवीय क्षेत्रक समुद्र जमय लगैत अछि, तखन ओ सब गरम तरफ आबि जाइत अछि। जे व्हेल दक्षिण गोलार्ध तरफ रहैत अछि ओ उत्तर गोलार्ध तरफ नहि जाइत अछि। ओहिना जे उत्तर गोलार्ध मे रहैत अछि ओ दक्षिण गोलार्ध तरफ नहि जाइत अछि। भूमध्य रेखा सागर लेल वास्तविक रेखा नहि थिक, तेँ सिर्फ ई जनतब तऽ मात्र व्हेल के हेतैक जे ओ किएक नहि ओ रेखा पार करैत अछि!
एतेक तकनिकी विकासक वावजूद हमसभ नहि जानि सकलौं अछि जे ओ सब कोना ई सब करैत अछि।

Acknowledgements



Aripana Foundation, Darbhanga, works for the development of North Bihar with a focus on education. Through Project Lemonchoos, it strives to create quality children's literature in the underserved language Maithili. Aripana Foundation has coordinated the creation of this book with several individuals, in partnership with Pratham Books' Storyweaver.

StoryWeaver PRATHAM BOOKS

Story Attribution:

This story: व्हेल छवि आकाश मे is translated by Kiran Choudhary . The © for this translation lies with Pratham Books, 2021. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Whale in the Sky', by Siddharth Chakravarty . © Pratham Books , 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book was first published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle. Guest Editor for the original story: Bijal Vachharajani.

Images Attributions:

Cover page: Girl looking at the sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Man and girl sitting , by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Green grass, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Girl pointing at the sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Many clouds in the sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Ocean, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Elephant and a blue whale, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Girl inside a heart, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Clouds in the blue sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Blue whale in the ocean, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

ORACLE

Images Attributions:

Page 11: Girl lying on the ground, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Man pointing at the sky, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: A blue whale spraying out water, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Blue whale swimming, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Girl pointing at the clouds, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Girl standing, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Whale, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Baleen plates, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Whales with a stick, by Kaveri Gopalakrishnan © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

व्हेल छथि आकाश मे

(Maithili)

आउ चलै छी दादू आ मुजनाक मेघ सँ लऽ कऽ महासागरक ब्लू व्हेलक संसार मे।

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

